



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 26, 1973/ज्येष्ठ 5, 1895

No. 20]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1973/JYAISTHA 5, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given in this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड 4

## PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और आदेश

## Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

(नौसेना शाखा)

नई दिल्ली, 2 मई, 1973

“राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी की गई अग्रता-सारणी” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे। (ग) उक्त विनियम का परिशिष्ट लुप्त किया जाएगा।

[नोम्. मामला सं. सी. एम./1324/72]

ल. दयाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

(Navy Branch)

New Delhi, the 2nd May, 1973

का. नि. आ. 140.—नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नौसेना रस्मी-रिवाज, सेवा की शर्तें और प्रकीर्ण विनियम, 1964 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम एतद्वारा बनाती हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का नाम नौसेना रस्मी-रिवाज, की शर्तें और प्रकीर्ण (दूसरा संशोधन) विनियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नौसेना रस्मी-रिवाज, सेवा की शर्तें और प्रकीर्ण विनियम 1964 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है), में, (क) विनियम 99, खण्ड (क) में, “परिशिष्ट X में” शब्दों और अंक के स्थान पर “राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी किया गया” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे। (ख) विनियम 253 में “परिशिष्ट V में यथा अन्तर्दिष्ट” शब्दों के स्थान पर

S.R.O. 140.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations 1964, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Second Amendment) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the said regulations); (a) in Regulation 99, clause (a), for the words and figure “in Appendix X”, the words “issued by the President’s Secretariat” shall be substituted; (b) in Regulation 253, for the words and figures “as contained in

Appendix V", the words "the Table of Precedence issued by the President's Secretariat" shall be substituted; and (c) Appendix V of the said regulations shall be omitted.

[NHQ Case No. CM/1624/73]

L. DAYAL, Joint Secy.

नई दिल्ली, 8 मई, 1973

का. नि. आ. 141.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सैन्य मुख्यालय, मास्टर जनरल आर्डनेन्स शाखा में सिविलियन ऑफसेट मद्रुण मशीन प्रचालक, श्रेणी 1, वर्ग 3, अराजपत्रित पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का नाम मास्टर जनरल आफ आर्डनेन्स (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1973 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. **लागू होना.**—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।
3. **पद-संख्या वर्गीकरण और वेतनमान.**—उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
4. **भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं.**—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बन्धित अन्य बातों वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	यदि पद अथवा प्रचालन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये प्रोक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सिविलियन आफसेट मद्रुण मशीन प्रचालन श्रेणी 1	1	रक्षा सेवा सिविलियन वर्ग 3, अराजपत्रित, अननुसूचित	210-10-290-15- 320-६० रो०- 15- 425 रु०	लागू नहीं होता	24-35 वर्ष	<b>प्रावश्यक :</b> 1. किसी मान्यताप्राप्त स्कूल से मिशन कक्षा स्तर पास। 2. मशीन प्रचालक के रूप में, एकल और दोहरा रंग कार्य करने का 8 वर्ष का अनुभव। 3. विभिन्न प्रकार की आफसेट मशीनों के प्रचालन और चलाने का ज्ञान और मद्रुण में उच्चतम श्रेणी का कार्य करने में समर्थ हो। <b>बांछनीय :</b> किसी मान्यताप्राप्त बोर्ड से मैट्रिक/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा

परन्तु, उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति या किसी अन्य विशेष प्रवर्ग के अभ्यर्थियों के संबंध में शिथिल की जा सकती।

#### 5. निरर्हताएं—वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

उक्त पदों में से किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होता :

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. **शिथिल करने की शक्ति.**—जहां केन्द्रीय सरकार को राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिवद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।
7. **व्याप्ति.**—इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

सीधे भर्ती किये जाने वाले	परिवीक्षा की कालावधि, भर्ती	की पद्धति/भर्ती प्रोन्नति	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण	यदि विभागीय प्रोन्नति	भर्ती करने में किन परि-
व्यक्तियों के लिये विहित	यदि कोई हो	द्वारा या प्रतिनियुक्ति/	द्वारा भर्ती की वृत्ति में वे श्रेणियां	समिति हो तो उसकी	स्थितियों में संघ
आय और शैक्षिक अर्हताएं		स्थानान्तरण द्वारा तथा	जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था-	संरक्षता	लोक सेवा आयोग से
प्रोन्नतों/अन्तरिरी की दशा		विभिन्न पद्धतियों द्वारा	नान्तरण किया जायेगा		परामर्श किया जायेगा
में लागू होगी या नहीं		भरी जाने वाली रिक्तियों			
		की प्रतिशतता			

8	9	10	11	12	13
स्थापान्तरण :	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
आयु : नहीं		न्तरण द्वारा जिनके न होने	भारत सरकार के अन्य मंत्रालय/		
शैक्षिक और अन्य अर्हताएं—हैं		पर सीधी भर्ती द्वारा	कार्यालयों में समतुल्य या समकक्ष		
			श्रेणियों का 150-5-175-6-		
			205-व० रोज-7-240 ६० या		
			175-6-205-7-240-व० रोज-		
			8-280-10-320 ६० के		
			वेतनमान में नियोजित व्यक्ति,		
			जिनकी उस श्रेणी में कम से कम		
			3 वर्ष की सेवा हो।		
			(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः		
			3 वर्ष से अधिक)		

[फाइल सं० ए/03469/सी ए ओ (आर एण्ड आर-2)]

New Delhi, the 8th May, 1973

**S.R.O. 141.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Class III non-gazetted post of Civilian Offset Printing Machine Operator Grade I in the Master General of Ordnance Branch, Army Headquarters, namely:

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Master General of Ordnance (Class III posts) Recruitment Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Application.**—These rules shall apply to the posts as specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

**3. Number, classification and scale of pay.**—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

**4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.**—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:—

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule for direct recruitment may be relaxed

in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders of the Central Government issued from time to time.

**5. Disqualifications.**—No person,

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the above posts.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**6. Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

**7. Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservation and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the order issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Civilian Offset Printing Machine Operator Grade I	1	Defence Services Civilian Class III Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 210-10-290-15-320-EB-15-425.	Not applicable	24-35 years	<b>Essential :</b> 1. Middle class standard of a recognised school. 2. 8 years' experience as machine operator doing single and double colour work. 3. Knowledge of operating and running of various kinds of offset machines and must be able to do highest grade of printing work.  <b>Desirable :</b> Matriculation/Higher Secondary Examination of a recognised Board.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees/transferees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
<b>Transfer :</b> <b>Age—No</b> Educational and other qualifications : <b>Yes</b>	Two years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	<b>Transfer on deputation :</b> Persons employed in other Ministries/Offices in the Government of India, in equivalent or similar grades or those in the pay scale of Rs. 150-5-175-6-205-EB-7-240, or Rs. 175-6-205-7-240-EB-8-280-10-320, with at least 3 years' service in the grade. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Not applicable	Not applicable	

[File No. A/03469/CAO(R&amp;R-II)]

का. नि. आ. 142.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायु मुख्यालय (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम 1966 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम वायु मुख्यालय (वर्ग 3 पद) भर्ती संशोधन नियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 5 का प्रतिस्थापन :—वायु मुख्यालय (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1966 (जिसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में नियम 5 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“5. निरहताएँ.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उपर्युक्त पदों में से किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।”

3. नये नियम 6 और 7 का अन्तःस्थापन.—उक्त नियम के नियम 5 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“6. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार को राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध

करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आवेश द्वारा, शीथिल कर सकेंगे।

7. **व्यावृत्ति**—इन नियमों की कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।”

4. **अनुसूची का संशोधन**—उक्त नियम की अनुसूची में, माहुर/दुभाषिया के पदों के सामने स्तम्भ 7 के अन्तर्गत की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् :—

#### “आवश्यक

1. मॉडल या समतुल्य अर्हता।
2. किसी मान्यताप्राप्त कला/मूर्तिकला विद्यालय से कला/मूर्तिकला में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र।
3. तेल रंग और जल रंग (वाटर कलर) में रंगचित्र बनाने का और मूर्तिकला का अच्छा ज्ञान/काष्ठ नक्काशी, खिलाना बनाने में कुशल हो और काष्ठ, प्लास्टिक और मोम आदि के खिलाने बनाने में विशेष रुचि रखता हो।
4. रेखाचित्रों और फोटोग्राफों से विनिर्दिष्ट मापमानों में विविध वस्तुओं के मॉडल बनाने की योग्यता।

#### वांछनीय

1. किसी मॉडल बनाने वाली फर्म या किसी सरकारी विभाग में विभिन्न माध्यम, जैसे प्लास्टर पत्रगोर्ब (पैपये मॉशे), चिकनी मिट्टी, काष्ठ और रेत से भौगोलिक या वास्तुकला संबंधी मॉडल बनाने में एक वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।
2. फोटोग्राफी का एक वर्ष का अनुभव।

[फा. सं. 67180/II/सी. ए. ओ./आर. एंड आर. 2]

डी. सी. अग्रवाल, सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी।

**S.R.O. 142.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Air Headquarters (Class III posts) Recruitment Rules, 1966, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Air Headquarters (Class III posts) Recruitment Amendment Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Substitution of rule 5.**—In the Air Headquarters (Class III posts) Recruitment Rules, 1966 (hereinafter referred to as the said rules),

for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—

“5. **Disqualifications.**—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the above posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.”

3. **Insertion of new rules 6 and 7.**—After rule 5 of the said rules, the following rules shall be inserted, namely:—

“6. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. **Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

4. **Amendment of the Schedule.**—In the Schedule to the said rules, against the post of Modeller/Interpreter, under column 7, for the entries, the following entries shall be substituted, namely:—

#### “Essential

1. Matriculation or equivalent qualification.
2. Diploma/Certificate in Art/Sculpture from a recognised School of Art/Sculpture.
3. Sound knowledge of drawing painting in oil and water colour and sculpture. Skill in wood carving, toy making and hobbies especially in wood, plastics, wax, etc.
4. Ability to make models of a variety of objects to specified scales from drawings and photographs.

#### Desirable

1. One year's practical experience in geographical or architectural modelling in different media like plaster, paper machine, clay, wood and sand in a model-making firm or a Government Department.
2. One year's experience of photography.”

[File No. 67180/II/CAO/R&R-II]  
D. C. AGGARWAL, Asstt. C.A.O.

नई दिल्ली, 9 मई, 1973

**का. नि. आ. 143.**—छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रीमती सुमन स्वरूप प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट, के त्यागपत्र को स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड दहली को सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फा. सं. 19/29/सी/एल. एंड सी./65/1002-सी/डी (क्यू. एंड सी.)]

New Delhi, the 9th May, 1973

**S.R.O. 143.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Delhi by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of the Shrimati Suman Swarup, Magistrate 1st Class.

[F. No. 19/29/C/L&C/65/1002-C/D(Q&C)]

**का. नि. आ. 144.**—छावनी अधिनियम 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री एस. सी. शर्मा प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13(3) (ख) के अधीन प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट देहली द्वारा, श्रीमती सुमन स्वरूप प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है के स्थान पर छावनी बोर्ड, देहली के सदस्य के रूप में नामनिर्देशित किया गया है।

[फा. सं. 19/29/सी/एल. एण्ड सी./65/1002-सी/1/  
डी (क्यू. एण्ड सी.)]

**S.R.O. 144.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri S. C. Sharma, Magistrate 1st Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Delhi by the District Magistrate, Delhi in exercise of the powers conferred under section 13(3)(b) of that Act vice Shrimati Suman Swarup, Magistrate 1st Class resigned.

[File No. 19/29/C/L&C/65/1002-C/1/D(Q&C)]

नई दिल्ली, 10 मई, 1973

**का. नि. आ. 145.**—का. नि. आ. 30 राजपत्र अधिसूचना (भाग 2 खण्ड 4) द्वारा 10 फरवरी, 1973 को प्रकाशित, एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[फा. 29/65/सी/एल. एण्ड सी./66/1027-सी./डी. (क्यू. एण्ड सी.)]

एस. पी. मदान, अवर सचिव

New Delhi, the 10th May, 1973

**S.R.O. 145.**—SRO No. 30 published on 10th February, 1973 in the official Gazette (Part II Section 4) is hereby cancelled.

[File No. 29/65/C/L&C/66/1027-C/D(Q&C)]

S. P. MADAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 मई, 1973

**का. नि. आ. 146.**—नॉर्सेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. नि. आ. 74, तारीख 7 मार्च 1964 के साथ प्रकाशित नॉर्सेना (पेंशन) विनियम, 1964 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम एतद्द्वारा बनाती है, अर्थात् :—

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—

(1) इन विनियमों का नाम नॉर्सेना (पेंशन) द्वितीया संशोधन विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **विनियम 12 का प्रतिस्थापन**—नॉर्सेना (पेंशन) विनियम, 1964 (जिसमें इसके पश्चात् उक्त विनियम कहा गया है) के विनियम 12 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“12. **सिविल सरकारी नियोजन में कार्मिक** (1) सिविल सरकारी नियोजन के लिए दिया गया (लॉन किया गया) कोई व्यक्ति इस बात को द्रोष्ट में लाए बिना, कि वह सिविल या नॉर्सेना पेंशन वरों पर है, ऐसे नियोजन के दौरान उसके द्वारा प्राप्त क्षीयों के बारे में या उसकी मृत्यु पर असाधारण पेंशनिक अवार्ड के प्रयोजन के लिए सिविल असाधारण पेंशन नियमों द्वारा शासित होगा।

(2) यदि इन विनियमों के अधीन समान अवार्डों के प्रयोजन के लिए अनुज्ञेय फायदे सिविल नियमों के अधीन अनुज्ञेय फायदों से अधिक लाभप्रद हैं, तो सिविल असाधारण पेंशन नियमों के अधीन, अवार्ड के बदले, उन्हें अनुज्ञात किया जाएगा।

(3) किसी व्यक्ति का ऐसा कटुम्ब, जिसे सिविल नियमों के अधीन असाधारण कटुम्ब पेंशन या इन नियमों के अधीन विशेष कटुम्ब पेंशन दी गई है, पूर्ववर्ती उपबंधों में से किसी के अधीन साधारण कटुम्ब पेंशन का हकदार नहीं होगा।”

3. **विनियम 58 का संशोधन.**—उक्त विनियम के विनियम 58 में, उपविनियम (1) में परन्तुक के खण्ड (1) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(क) साधारण कटुम्ब पेंशन, सवेतन कार्यकारी रैंक पर निर्धारित की जाएगी, परन्तु यह कि मृत्यु की तारीख पर दो वर्ष से अन्यून के लिए लगातार कार्यकारी रैंक धारण किया गया हो।

(ख) यदि कार्यकारी रैंक दो वर्ष से अन्यून के लिए धारण किया गया हो तो उसका कोई भी फायदा अनुज्ञात नहीं होगा।

(ग) जहां अपनी मृत्यु के समय, कोई आफिसर अधिष्ठायी रैंक से एक कदम उच्चतर कार्यकारी रैंक धारण करता था, वहां कार्यकारी रैंक का फायदा, कम से कम दो वर्ष के लिए धारण किए गए उच्चतम कार्यकारी रैंक पर निर्धारित किया जाएगा।

(घ) यदि उच्चतम रैंक में सेवा दो वर्ष से कम हो, तो वह अगले न्यूनतम रैंक में सेवा के समान समझी जाएगी।

(ङ) यदि कार्यकारी प्रोन्नति नियमों के अधीन कोई आफिसर, चाहे उसके फलों पर चले जाने के कारण या छः मास से अधिक के लिए बीमारी छुट्टी पर होने के कारण अपने अधिष्ठायी रैंक पर प्रतिवर्तित होता है, तो ऐसे प्रतिवर्तन की अवधि, यद्यपि सवेतन कार्यकारी रैंक में सेवा के रूप में नहीं गिनी जाती, उस रैंक में भंग के रूप में नहीं होगी :

परन्तु यदि, यथास्थिति, कला या बीमारी-छुट्टी को समाप्ति पर उस आफिसर को उच्चतर सवेतन कार्यकारी रैंक पर नियुक्त किया जाए या ऐसी छुट्टी के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है तो उस रैंक में सवेतन की दो वर्ष की अवधि की शर्त, उपर विचार की गई रियायत के हेतु, पात्र होंगे के लिए पूरी होनी चाहिए।”

4. विनियम 83 का संशोधन: उक्त विनियम के विनियम 33 में, सारणी में क्रम संख्या 1 के सामने, स्तम्भ 4 के नीचे, खण्ड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्,—

“(ग) यदि युद्ध-नियुक्ति या स्थापन में कटौती या विरगन्धी-

करण पर पूर्ववर्ती सेवा से निर्मुक्त किया गया हो, तो शर्तें 1 और 3”

5. विनियम 86 का संशोधन: उक्त विनियम के विनियम 86 में विद्यमान सारणी को “1” के रूप में संख्यांकित किया जाएगा, और इस प्रकार संख्यांकित सारणी के पश्चात्, निम्नलिखित सारणी अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

## II. सेवा पेंशन की दरें—मात्रिक सूची पर होने वाले आनरेरी कमीशन दिये गये मास्टर चीफ पैटी आफिसर वर्ग II

निवृत्ति का कारण	अर्हक सेवा के पूर्ण वर्ष	आनरेरी गव-लेफ्टिनेन्ट आनरेरी कमीशन दिये जाने के पूर्व के वेतन ग्रुप		पेंशन की दरें आनरेरी लेफ्टिनेन्ट आनरेरी कमीशन दिये जाने के पूर्व	
		ग्रुप 'क' नौमिता विमान-ग्रुप 'ख' तथा 'ग' नव ग्रुप		ग्रुप 'क' नौमिता विमान-ग्रुप 'ख' तथा 'ग' नव ग्रुप	
		क० प्र० मा०	क० प्र० मा०	क० प्र० मा०	क० प्र० मा०
(क) वैयक्तिक नियंत्रण-वाह्य कोई कारण	21	232	224	208	257
	22	240	231	215	265
	23	248	239	221	273
	24	256	246	227	281
	25	264	254	234	289
	26	272	261	240	297
	27	273	269	246	298
	28	273	273	253	298
	29	273	273	259	298
	30	273	273	265	298
(ख) उपरोक्त (क) से भिन्न कोई कारण, परन्तु आनरेरी रैंक में कम से कम 2 वर्ष की अर्हक सेवा, मात्रिक सूची पर की गई है।	21	232	224	208	257
	22	240	231	215	265
	23	248	239	221	273
	24	256	246	227	281
	25	264	254	234	289
	26	272	261	240	297
	27	273	269	246	298
	28	273	273	253	298
	29	273	273	259	298
	30	273	273	265	298

टिप्पण:— आनरेरी कमीशन धारण करने वाले ऐसे मास्टर चीफ पैटी आफिसर वर्ग II के मामले, जिन्हें 21 से कम वर्ष की सेवा पर, सेवा से, निर्मुक्त/असमर्थ किया गया है और/या जिन्होंने निर्मुक्ति के समय, मास्टर चीफ पैटी आफिसर वर्ग II के अधिष्ठापी रैंक में लगातार दो वर्ष पूर्ण नहीं किया है; केन्द्रीय सरकार को, आदेशों के लिये प्रस्तुत किये जायेंगे।

## III. सेवा पेंशन की दरें—सक्रिय सूची पर होते हुये आनरेरी कमीशन दिये गये मास्टर चीफ पैटी आफिसर वर्ग I

आनरेरी सभ-जैपटीनेट आनरेरी जैपटीनेट आनरेरी  
आनरेरी कमीशन दिये जाने कमीशन दिये जाने के  
के पूर्व के वेतन ग्रुप पूर्व के वेतन ग्रुप

सेवा निवृत्ति का कारण

ग्रहक सेवा के ग्रुप 'क' और ग्रुप 'ख' और ग्रुप 'क' और ग्रुप 'ख' और  
पूर्ण वर्ष नौ सेना विमानन 'ग' नौसेना विमानन 'ग'

	₹० प्रति मास	₹० प्रति मास	₹० प्रति मास	₹० प्रति मास
(क) वैयक्तिक नियंत्रण बाह्य कोई कारण	21	241	224	266
	22	249	231	274
	23	256	338	281
	24	264	245	289
	25	272	253	297
	26	273	260	298
	27	273	267	298
	28	273	273	298
	29	273	273	298
	30	273	273	298
(ख) उपरोक्त (क) से भिन्न कोई कारण परन्तु आनरेरी रैंकों में कम से कम 2 वर्ष की अर्हक सेवा, सक्रिय सूची पर की गई है।	21	241	224	266
	22	249	231	274
	23	256	238	281
	24	264	245	289
	25	272	253	297
	26	273	260	298
	27	273	267	298
	28	273	273	298
	29	273	273	298
	30	273	273	298

टिप्पण :— आनरेरी कमीशन धारण करने वाले ऐसे मास्टर चीफ पैटी आफिसर वर्ग I के मामले जिन्हें 21 वर्ष से कम की सेवा पर सेवा से निर्मुक्त असेमर्थ किया गया है, केन्द्रीय सरकार को, आदेशों के लिये, प्रस्तुत किये जायेंगे।

6. विनियम 104 का संशोधन—उक्त विनियमों के विनियम 104 में, पैरा (ख) के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—  
“(ख) यदि उपचार या शस्त्रक्रिया करवाने के लिये इन्कार अनुचित हो, —

(1) यदि पेंशन मंजूर करने वाला प्राधिकारी, चिकित्सा सलाहकार (पेंशन) के परामर्श से, जहाँ आवश्यक हो, वहाँ विनिश्चय करे कि शस्त्रक्रिया या चिकित्सा उपचार निःशक्तता को सुधारेगा। निःशक्तता पेंशन रोक रखी जायेगी किन्तु इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय सामान्य सेवा पेंशन या उपदान, यदि कोई हो, या विनियम 110 के अधीन अनुज्ञेय पेंशन या उपदान यदि कोई हो, अनुदत्त किया जा सकेगा और निःशक्तता अथवा पेंशन निःशक्तता के निम्नतर प्रतिशत के अनुरूप निबन्धित की जायेगी।

(II) यदि पेंशन मंजूर करने वाला प्राधिकारी, चिकित्सा सलाहकार (पेंशन) के परामर्श से, जहाँ आवश्यक हो, वहाँ विनिश्चित करे कि शस्त्रक्रिया या चिकित्सा उपचार निःशक्तता को निम्नतर प्रतिशत तक कम करेगा। यदि वह निम्नतर प्रतिशत, 20 प्रतिशत से कम हो, तो इन विनियमों के अधीन अनुज्ञेय सामान्य सेवा पेंशन या उपदान, यदि कोई हो, या विनियम 110 के अधीन, अनुज्ञेय पेंशन या उपदान, यदि कोई हो, दिया जा सकेगा।



7. **विनियम 107 का संशोधन**—उक्त विनियमों के विनियम 107 में उप-विनियम (2) के नीचे सारणी के स्थान पर, निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

**सारणी**  
**निशक्तता वर्ग के लिये**

	20%	30%	40%	50%	60%	70%	80%	90%	100%
	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०	₹० प्र० मा०
सब लैप्टीनेन्ट के रूप में प्रान रेरी कमीशन दिया गया मास्टर चीफ पेट्री आफिसर	28.50	42.75	57.00	71.25	85.50	99.75	114.00	128.25	142.50
मास्टर चीफ पेट्री आफिसर वर्ग 1	21.00	31.50	42.00	52.50	63.00	73.50	84.00	94.50	105.00
मास्टर चीफ पेट्री आफिसर वर्ग 2	18.00	27.00	36.00	45.00	54.00	63.00	72.00	81.00	90.00
चीफ आर्टीफीसियर चीफ मैकेनीशियन	18.00	27.00	36.00	45.00	54.00	63.00	72.00	81.00	90.00
आर्टीफीसियर मैकेनिशियन वर्ग 1, 2 और 3 तथा चीफ पेट्री आफिसर	13.00	19.50	26.00	32.50	39.00	45.50	52.00	58.50	65.00
आर्टीफीसियर मैकेनिशियन वर्ग 4 तथा उससे कम और पेट्री आफिसर	9.60	14.40	19.20	24.00	28.80	33.60	38.40	43.20	48.00
उच्चतर नाविक और उसके सम-तुल्य	8.00	12.00	16.00	20.00	24.00	28.00	32.00	36.00	40.00
समर्थ नाविक और उसके सम-तुल्य और कम	7.00	10.50	14.00	17.50	21.00	24.50	28.00	31.50	35.00

8. **विनियम 113 का संशोधन**—उक्त विनियमों के विनियम 113 में, उप विनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(1) ऐसे नॉर्सिनकों को, जिनमें ऐसे सब-लैप्टीनेन्ट (विशेष कर्तव्य) और लैप्टीनेन्ट (विशेष कर्तव्य) के रूप में आनररी कमीशन दिए गए भी सम्मिलित हैं, जिन्हें साँ प्रतिशत निशक्तता के लिए निशक्तता पेंशन दी गई है, प्रति मास पैंतीस रुपए को दर से सतत परिचारक-भत्ता भी दिया जा सकेगा।

9. **विनियम 154 का प्रतिस्थापन**—उक्त विनियम के विनियम 154 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“154. पेंशन के तथ करने/चालू रखने तथा संकाय में विलंब से रचना।

- (1) पेंशन दाजों के साथ बचत के वाले सभी आफिसर यह बात ध्यान में रखेंगे कि पेंशन के संकाय में विलम्ब होने से अत्यन्त कीटनाई हो सकती है और इसलिए वे ऐसे विलम्ब को रोकने या कम करने के लिए अपनी शक्ति में आवश्यक साध्य प्रत्येक काम करेंगे।
- (2) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ऐसी पेंशन पाने वाले पेंशनरों को निशक्तता पेंशन चालू रखने में विलम्ब को दूर करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया दी गई है, अर्थात्—

(1) **आफिसर:**

नॉर्सना मुख्यालय चालू अर्वाड की समाप्ति की तारीख के लगभग तीन मास पूर्व पुनः सर्वेक्षण चिकित्सा बोर्ड के प्रबंध के लिए कार्रवाई शुरू करेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि उपर्युक्त तारीख से लगभग दो मास पूर्व ऐसे पुनः सर्वेक्षण चिकित्सा बोर्ड के समक्ष पेंशनर लाया गया है।

(2) **नॉर्सिनक:**

नॉर्सना बैंक कमांडोर (ड्राफ्टिंग आफिसर) चालू अर्वाड की समाप्ति की तारीख से लगभग चार मास पूर्व, पुनः सर्वेक्षण चिकित्सा बोर्ड के प्रबंध के लिए कार्रवाई शुरू करेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि उपर्युक्त तारीख से लगभग तीन मास पूर्व ऐसे पुनः सर्वेक्षण चिकित्सा बोर्ड के समक्ष पेंशनर लाया गया है।

**स्पष्टीकरण:**

गुप्तों को अस्थायी निशक्तता पेंशन की प्राप्ति में कीटनाई तथा व्यय से बचाने के लिए, वे पुनः सर्वेक्षण चिकित्सा बोर्ड के समक्ष जब मामूली तौर पर उनकी पुनः परीक्षा का नियत समय है, उस तारीख से 6 मास पूर्व या 6 मास के पश्चात के भीतर किसी भी समय उपस्थित हो सकेंगे।”

[एन. एच. क्यू. फाईल सं. पी. एम. 2238 (पी. सी./10)]

[वित्त मंत्रालय (रक्षा/पेंशन) यू./ऑ. सं. 3071-पेंशन-तारीख 24-2-72]

रवीन्द्र नाथ त्यागी, उप सचिव

New Delhi, the 11th May, 1973

**S.R.O. 146.**—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy (Pension) Regulations, 1964, published with the notification of the Government of India, in the Ministry of Defence No. S.R.O. 74 dated the 7th March, 1964, namely:—

**1. Short title and Commencement.**—(1) These regulations may be called the Navy (Pension) Second Amendment Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Substitution of regulation 12.**—In the Navy (Pension) Regulations, 1964 (hereinafter referred to as the said regulations), for regulation 12, the following regulation shall be substituted; namely:—

**"12. Personnel in Civil Government Employment.**—

(1) A person loaned for civil Government employment, irrespective of whether he is on civil or naval rates of pay, shall be governed by the civil extra-ordinary pension rules for the purpose of an extra-ordinary pensionary award in respect of injuries received by him or on his death during such employment.

(2) If the benefits admissible for the purpose of similar awards under these regulations are more advantageous than those admissible under the civil rules, those will be allowed in place of the award under the civil extra-ordinary pension rules.

(3) The family of a person, who is awarded an extra-ordinary family pension under the civil rules or special family pension under these regulations, shall not be entitled to an ordinary family pension under any of the foregoing provisions".

**3. Amendment of regulation 58.**—In regulation 58 of the said regulations, in sub-regulation (1), in the proviso, after clause (i), the following clauses shall be inserted, namely:—

"(ia) Ordinary family pension shall be assessed on the paid acting rank provided the acting rank had been

held continuously for not less than two years on the date of death.

(ib) If the acting rank is held for less than two years, no benefit thereof shall be admissible.

(ic) Where an officer at the time of his death was holding an acting rank more than one step higher than the substantive rank, the benefit of acting rank shall be assessed on the highest acting rank held for at least two years.

(id) If service in the highest rank is less than two years, it will be treated on par with service in the next lower rank.

(ie) If an officer reverts to his substantive rank under the acting promotion rules either on account of his proceeding on furlough or being on sick leave for more than six months, the period of such reversion, though not counting as service in the paid acting rank, shall not constitute a break in that acting rank:

Provided that the officer is appointed to the higher paid acting rank at the end of furlough or sick leave, as the case may be, or dies during such leave, but the condition of the period of two years paid service in that rank should have been fulfilled for being eligible for the concession envisaged above".

**4. Amendment of regulation 83.**—In regulation 83 of the said regulations, in the Table, against serial number 1, under column 4, after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—

"(c) If discharged from former service on war engagement or reduction of establishment or demobilisation; Conditions 1 and 3".

**5. Amendment of regulation 86.**—In regulation 86 of the said regulation, the existing Table shall be numbered as "I", and after the Table as so numbered, the following Table shall be inserted, namely:—

**II. Rates of Service Pension—Master Chief Petty Officers Class II granted Honorary Commission while on the active list**

Cause of retirement	Completed years of qualifying service	Rates of Pension					
		Honorary Sub-Lieutenant			Honorary Lieutenant		
		Pay Groups held prior to grant of Honorary Commission			Pay Group held prior to grant of Honorary Commission		
		Group 'A'	Naval Aviation Group	Groups 'B' and 'C'	Group 'A'	Naval Aviation Group	Groups 'B' and 'C'
(a) Any cause beyond an individual's control	21	Rs. p.m. 232	Rs. p.m. 224	Rs. p.m. 208	Rs. p.m. 257	Rs. p.m. 249	Rs. p.m. 233
	22	240	231	215	265	256	240
	23	248	239	221	273	264	246
	24	256	246	227	281	271	252
	25	264	254	234	289	279	259
	26	272	261	240	297	286	265
	27	273	269	246	298	294	271
	28	273	273	253	298	298	278
	29	273	273	259	298	298	284
	30	273	273	265	298	298	290
(b) Any cause other than (a) above, provided that at least 2 years qualifying service in the honorary rank is rendered on active list.	21	232	224	208	257	249	233
	22	240	231	215	265	256	240
	23	248	239	221	273	264	246
	24	256	246	227	281	271	252
	25	264	254	234	289	279	259
	26	272	261	240	297	286	265
	27	273	269	246	298	294	271
	28	273	273	253	298	298	278
	29	273	273	259	298	298	284
	30	273	273	265	298	298	290

NOTE :—Cases of Master CPOs Class II holding Honorary Commissions, who are discharged/invalided from service with less than twenty-one years of service, and/or at the time of discharge, have not completed two years continuously in the substantive rank of Master CPOs Class II will be submitted to the Central Government for orders.

### III. Rates of Service Pension—Master Chief Petty Officers Class I granted Honorary Commission while on the active list

Cause of Retirement	Completed years of qualifying service	Rates of Pension			
		Honorary Sub-Lieutenant	Honorary	Lieutenant	
		Pay group held prior to the grant of Honorary Commission	Pay group held prior to the grant of Honorary Commission	Pay group held prior to the grant of Honorary Commission	
		Group 'A' and Naval Aviation	Groups 'B' and 'C'	Group 'A' and Naval Aviation	Groups 'B' and 'C'
		Rs. p.m.	Rs. p.m.	Rs. p.m.	Rs. p.m.
(a) Any cause beyond an individual's control	21	241	224	266	249
	22	249	231	274	256
	23	256	238	281	263
	24	264	245	289	270
	25	272	253	297	278
	26	273	260	298	285
	27	273	267	298	292
	28	273	273	298	298
	29	273	273	298	298
	30	273	273	298	298
(b) Any cause other than (a) above provided that at least 2 years qualifying service in the honorary rank is rendered on the active list	21	241	224	266	249
	22	249	231	274	256
	23	256	238	281	263
	24	264	245	289	270
	25	272	253	297	278
	26	273	260	298	285
	27	273	267	298	292
	28	273	273	298	298
	29	273	273	298	298
	30	273	273	298	298

NOTE :—Cases of Master CPOs Class I holding honorary commissions, who are discharged/invalided from service with less than twenty-one years service, will be submitted to the Central Government for orders.

6. Amendment of regulation 104.—In regulation 104 of the said regulations, for paragraph (b), the following paragraph shall be substituted, namely :—

“(b) If the refusal to undergo treatment or an operation is unreasonable,—

- (i) If the pension sanctioning authority, in consultation with the Medical Adviser (Pensions), where necessary, decides that an operation or medical treatment will cure the disability. The disability pension shall be withheld but the normal service pension or gratuity, if any, admissible under these regulations, or the pension or gratuity, if any, admissible under regulation 110 may be granted; and the disability element or pension shall be restricted to that appropriate to the lower percentage of disablement.
- (ii) If the pension sanctioning authority, in consultation with the Medical Adviser (Pensions), where necessary, decides that an operation or medical treatment will reduce the disability to a lower percentage. If that lower percentage is less than twenty per cent, the normal, service pension or gratuity, if any, admissible under these regulations, or the pension or gratuity, if any, admissible under regulation 110 may be granted.

7. Amendment of regulation 107.—In regulation 107 of the said regulations in sub-regulation (2), for the Table the following Table shall be substituted, namely :—

TABLE

Rank	Disability element as for									
	20% Rs. p.m.	30% Rs. p.m.	40% Rs. p.m.	50% Rs. p.m.	60% Rs. p.m.	70% Rs. p.m.	80% Rs. p.m.	90% Rs. p.m.	100% Rs. p.m.	
Master Chief Petty Officers granted Honorary Commissions as Sub-Lieutenant/Lieutenant	28.50	42.75	57.00	71.25	85.50	99.75	114.00	128.25	142.50	
Master Chief Petty Officers Class I	21.00	31.50	42.00	52.50	63.00	73.50	84.00	94.50	105.00	
Master Chief Petty Officers Class II	18.00	27.00	36.00	45.00	54.00	63.00	72.00	81.00	90.00	
Chief Artificer/Chief Mechanician	18.00	27.00	36.00	45.00	54.00	63.00	72.00	81.00	90.00	
Artificer/Mechanician Class I	13.00	19.50	26.00	32.50	39.00	45.50	52.00	58.50	65.00	
II and III and Chief Petty Officers										
Artificer/Mechanician Class IV and below and Petty Officers	9.60	14.40	19.20	24.00	28.80	33.60	38.40	43.20	48.00	
Leading Seamen and equivalent	8.00	12.00	16.00	20.00	24.00	28.00	32.00	36.00	40.00	
Able Seaman and equivalent and below	7.00	10.50	14.00	17.50	21.00	24.50	28.00	31.50	35.00	

8. Amendment of regulation 113.—In regulation 113 of the said regulations, for sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be substituted, namely:—

“(1) Sailors, including those granted honorary commissions as Sub-Lieutenant (Special Duty) and Lieutenant (Special Duty), who have been granted a disability pension for hundred per cent disablement, may also be granted a constant attendant allowance at the rate of rupees thirty-five per mensem.”

9. Substitution of regulation 154.—For regulation 154 of the said regulations, the following regulation shall be substituted, namely:—

“154. Delay in settlement/continuance and payment of pension to be avoided.—(1) All officers dealing with pension claims shall bear in mind that delay in the payment of pension may cause great hardship and so they shall do everything in their power to prevent or curtail such delays as much as possible.

(2) In order to obviate delay in continuing disability pension to pensioners in receipt of such pensions for a specified period, the following procedure is laid down, namely:—

(i) *Officers*.—The Naval Headquarters shall initiate action to arrange re-survey medical boards about three months prior to the date of expiry of the current award and shall also ensure that the pensioners are brought before such resurvey medical board about two months prior to the date mentioned above.

(ii) *Sailors*.—The Commodore Naval Barracks (Drafting Office) shall initiate action to arrange re-survey medical board about four months prior to the date of expiry of the current award and shall further ensure that the pensioner is brought before such resurvey medical boards about three months prior to the date mentioned above.

*Explanation*.—In order to avoid hardship and expense to Gorkhas in receipt of temporary disability pensions, they may appear before resurvey medical boards at any time within six months before or six months after the date on which they would ordinarily be due for re-examination”.

[NHQ File No. PM-2238(PCXVI)]

[Min. of Fin. (Def/Pen) u/o No. 3071-Pen. dated 24-7-1972]

R. N. TYAGI, Deputy Secy.

नई दिल्ली, 15 मई, 1973

का. नि. आ. 147.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, देहली की सदस्यता में विंग कमांडर डी. बी. मोहिन्द्रा के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं. 19/29/सी/एल एण्ड सी/65/1047-सी/डी (क्यू एण्ड सी)]

New Delhi, the 15th May, 1973

S.R.O. 147.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Delhi by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Wing Comdr. D. B. Mohindra.

[File No. 19/29/C/L&C/65/1047-C/D(Q&C)]

का. नि. आ. 148.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि विंग कमांडर बी. डी. बरगोइन के विंग कमांडर डी. पी. मोहिन्द्रा के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड देहली के एक सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं. 19/29/सी/एल एण्ड सी/65/1047-सी/1/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 148.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Wing Comdr. B. D. Bargohain has been nominated as a member of the Cantonment Board, Delhi vice Wing Comdr. D. B. Mohindra who has resigned.

[F. No. 19/29/C/L&C/65/1047-C/1/D(Q&C)]

का. नि. आ. 149.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, क्लेमेंट टाउन की सदस्यता में स्ववाइन लीडर के. एन. बेरी के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं. 19/59/सी/एल एण्ड सी/69/1048-सी/डी (क्यू एण्ड सी)]

S.R.O. 149.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Clement Town by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Sqn. Ldr. K. N. Beri.

[F. No. 19/59/C/L&C/69/1048-C/D(Q&C)]

का. नि. आ. 150.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि ले. कर्नल. ए. एस. चोपड़ा के स्ववाइन लीडर के. एन. बेरी के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड क्लेमेंट टाउन के एक सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फा. सं. 19/59/सी/एल एण्ड सी/69/1048-सी/1/डी (क्यू एण्ड सी)]

एस. पी. मदान, अवर सीक्रेटरी

S.R.O. 150.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. A. S. Chopra has been nominated as a member of the Cantonment Board Clement Town vice Sqn. Ldr. K. N. Beri who has resigned.

[F. No. 19/59/C/L&C/69/1048-C/1/D(Q&C)]

S. P. MADAN, Under Secy.